

को पेश हो:

म-१७-२३ पञ्चमाली मस ईहा व नील बरडी अजु० वरडी अउउ। बरल NOT पञ्चम  
 बरल अणवण दिलई गत्र होई उप.करी अत्ये। अत्र  
 जकी वरडी अ वरड अडम पली अडम हापरी के खाली  
 दिवा लस हा पणवली वरड मलल होकर वरियल इन्डले।

३

७५